भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1704

उत्तर देने की तारीख-10/03/2025

एनटीएसई और परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम पर व्यय

†1704. श्रीमती माला राय:
श्री बी. मणिक्कम टैगोर:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) को पिछले तीन वर्षों के दौरान धन की कमी के कारण निलंबित कर दिया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान एनटीएसई छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए कुल कितनी राशि आवंटित की गई है;
(ग) एनटीएसई जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित पृष्ठभूमि वाले प्रतिभाशाली छात्रों को शैक्षणिक और वित्तीय सहायता प्रदान करने के संबंध में सरकार का वर्तमान रुख क्या है;
(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम से संबंधित लागतों सहित वर्षवार और राज्यवार कुल व्यय कितना है तथा ऐसे कार्यक्रमों पर इस तरह की धनराशि के आवंटन का औचित्य क्या है; और
(ङ.) क्या सरकार विशेष रूप से योग्य छात्रों के बीच शैक्षिक प्रगति और भविष्य के करियर की संभावनाओं पर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर एनटीएसई जैसे कार्यक्रमों, जो छात्रों को प्रत्यक्ष शैक्षणिक सहायता प्रदान करते हैं, की निरंतरता और पुनरोद्धार सुनिश्चित करने के लिए अपनी वित्तपोषण प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का विचार रखती है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) □□ (ङ): राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना (एनटीएसएस) के तहत आयोजित की जाती है, जो असाधारण क्षमता और योग्यता वाले छात्रों की पहचान करने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए वर्ष 1963 से चल रही है। एनटीएसएस पर एक तीसरे पक्ष की मूल्यांकन रिपोर्ट राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा फरवरी 2021 में इस विभाग को प्रस्तुत की गई थी। मूल्यांकन रिपोर्ट और

आगामी परीक्षा में योजना के डिजाइन और कार्यान्वयन में कई सीमाएँ सामने आईं जैसेकि छात्रवृत्ति पुरस्कार विजेताओं में ग्रामीण क्षेत्रों, लड़कियों और कुछ राज्यों का लगातार कम प्रतिनिधित्व, लंबी यात्रा दूरी के कारण परीक्षा केंद्रों तक पहुंच की कमी, वित्तीय सहायता की कमी, अप्रभावी पोषण और योजना का अपर्याप्त प्रसार। परिणामस्वरूप , योजना और इसके प्रमुख घटकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ अनुकूलित करने और इसकी प्रभावशीलता, प्रभाव और पहुंच को बाधित करने वाली प्रमुख सीमाओं को दूर करने के लिए व्यापक समीक्षा से गुजरना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार ने शिक्षा मंत्रालय के बजट आवंटन को वर्ष 2021-22 के लिए 93,224 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वर्ष 2022-23 के लिए 1,04,278 करोड़ रुपये, वर्ष 2023-24 के लिए 1,12,899 करोड़ रुपये और वर्ष 2024-25 के लिए 1,21,118 करोड़ रुपये कर दिया है, जिससे स्पष्ट है कि मंत्रालय के पास निधि की कोई कमी नहीं है। वहीं, वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2024-25 तक 22,719 छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित करने के लिए 60 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

विगत तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान एनटीएसएस के लिए आवंटन निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	वित्तीय आवंटन (करोड़ रुपए में)
2021-22	13.62
2022-23	20.00
2023-24	15.00
2024-25 (5.3.2025 तक)	11.50
कुल	**60.12**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस बात पर जोर देती है कि प्रत्येक छात्र में जन्मजात प्रतिभा होती है, जिसे खोजा जाना चाहिए, पोषित किया जाना चाहिए, बढ़ावा दिया जाना चाहिए और विकसित किया जाना चाहिए। यह एक सहायक और समावेशी वातावरण बनाने की भी समर्थन करता है जहाँ ऐसे छात्रों को मार्गदर्शन, विशेष कार्यक्रम और उनकी रुचि के क्षेत्रों में गहन अन्वेषण के अवसर प्राप्त हों। नीति विशेषज्ञों और संस्थानों के साथ सहयोग के महत्व पर भी जोर देती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने और अपने साथियों के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन दिया जाए। भारत सरकार प्रतिभाशाली छात्रों और प्रतिभाशाली छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत सरकार केंद्रीय क्षेत्र की योजना राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) भी लागू करती है; है जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी छात्रों को आठवीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ने से रोकने और उन्हें माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करती है। एनएमएमएसएस के तहत, कक्षा IX के

चयनित छात्रों को प्रतिवर्ष 12000/- रुपये प्रति वर्ष की दर से एक लाख नई छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं और राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के स्कूलों में पढ़ाई के लिए कक्षा X से XII में उनकी निरंतरता/नवीनीकरण किया जाता है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान परीक्षा पे चर्चा पर किया गया कुल व्यय नीचे दिया गया है:

वर्ष	किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
2020	5.69
2021	6.00
2022	8.16
2023	27.70
2024	16.83

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को परीक्षा से संबंधित मामलों, चिंताओं और किस्सों को साझा करने के लिए एक अनुकूल मंच प्रदान करके एक बच्चे के जीवन में परीक्षा की प्रक्रिया को सामान्य बनाता है। इस प्रक्रिया में, उन्हें परीक्षाओं से जुड़े तनाव और दबाव को संभालने के लिए माननीय प्रधानमंत्री और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से व्यावहारिक अनुभव, सुझाव और प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर मिलता है। नवीनतम पीपीसी में 5 करोड़ से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की भागीदारी इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता को रेखांकित करती है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, देश भर से आने वाले बच्चों के आतिथ्य और कार्यक्रम के समग्र आयोजन सहित विभिन्न घटकों पर व्यय किया जाता है।

*****